नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 157
दि. 06.10.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

प्रधानमंत्री मोदी ने भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन से हुई मौतों पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण हुई जनहानि पर दुख जताया है। उन्होंने भरोसा दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नई दिल्ली/कोलकाता, (जीएनएस)।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण हुई जनहानि पर दुख जताया है। उन्होंने भरोसा दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

उन्होंने आगे लिखा, "भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

इससे पहले, पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल सरकार से बचाव कार्य में तेजी लाने और प्रभावित लोगों तक जल्द राहत पहुंचाने का अनुरोध किया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि उत्तर बंगाल में लगातार भारी बारिश के कारण, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सियांग के पहाड़ी इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। भूस्खलन और बाढ़ के कारण सिलीगुड़ी, तराई और डुआर्स के मैदानी इलाकों से संचार और परिवहन संपर्क लगभग पूरी तरह से बाधित हो गया है। सिलीगुड़ी और मिरिक को जोड़ने वाला दुधिया में बालासन नदी पर बना लोहे का पुल ढह गया है।

सुवेंदु अधिकारी ने बताया कि हजारों निवासी फंसे हुए हैं और जरूरी आपूर्ति व सेवाओं के बिना कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। हताहतों की खबरें भी आ रही हैं, जिनका विवरण अभी पता नहीं चल पाया है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, "मैं पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से आग्रह करता हूं कि वे तुरंत संसाधन जुटाएं और इन क्षेत्रों में संचार नेटवर्क की शीघ्र बहाली के लिए पर्याप्त व्यवस्था करें।

फील्ड में कैसे अधिकारियों की होगी तैनाती? सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिया सख्त निर्देश

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार केवल प्रदर्शन ही होगा और निर्देश दिए कि क्षेत्र (फील्ड) में केवल उन्हीं अधिकारियों को तैनात किया जाए, जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्ध हों तथा जिनकी छवि साफ-सुथरी हो. मुख्यमंत्री रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोनल अधिकारियों से सीधा संवाद किया.

GST सुधार में दिख रही है तेजी- योगी आदित्यनाथ

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीएसटी में सुधार के बाद बाजार में तेजी देखी जा रही है. आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम अवश्य दिखाई देंगे. उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि धनतेरस और दीपावली के अवसर पर अनावश्यक जांच अथवा छापेमारी से बचा जाए. व्यापारियों और उद्यमियों के उत्पीड़न की कोई शिकायत कहीं से भी प्राप्त नहीं होनी चाहिए.

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जोनवार समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि बरेली (64.2 प्रतिशत), सहारनपुर (63.7 प्रतिशत), मेरठ (63 प्रतिशत), गोरखपुर (62.5 प्रतिशत) और झांसी (62.1 प्रतिशत) जैसे जोन का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है, जबकि कुछ जोन में लक्ष्य पूर्ति 55 से 58 प्रतिशत के बीच रही, जहां सुधार की आवश्यकता है.

सीएम योगी ने संभागवार एवं खंडवार समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने वाराणसी प्रथम व द्वितीय, गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ प्रथम व द्वितीय, कानपुर प्रथम व द्वितीय, इटावा, झांसी, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद प्रथम व द्वितीय, गौतमबुद्ध नगर और सहारनपुर सहित सभी जोन की संभागवार एवं खंडवार समीक्षा की.

उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट किया जाए और उसके सुधार के लिए तत्काल कार्ययोजना तैयार की जाए.

कमजोर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही के निर्देश

मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोन में कोई भी खंड 50 प्रतिशत से कम संग्रह वाला नहीं है, जो कि संतोषजनक है. वहीं, कमजोर प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए.

भारत हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्धः प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल में भूस्खलन को लेकर कहा

(जीएनएस)।

नयी दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान-माल की क्षति पर रविवार को दुख जताते हुए कहा कि एक मित्र पड़ोसी एवं सबसे पहले मदद देने वाले देश के रूप में भारत हर प्रकार की आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्वी नेपाल के विभिन्न स्थानों पर शनिवार रात से हो रही भारी बारिश की वजह से भूस्खलन और बाढ़ के कारण रविवार सुबह तक कम से कम 40 लोग मारे गए हैं और पांच लोग लापता हैं।

नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन 40 लोगों में से 37 की मौत शनिवार रात भारी वर्षा के बाद हुए भूस्खलन के कारण कोशी प्रांत के इलम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान-माल की क्षति दुखद है। हम इस कठिन समय में नेपाल के लोगों और उसकी सरकार के साथ खड़े हैं।"

उन्होंने कहा, "एक मित्रवत पड़ोसी और सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले के रूप में भारत आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

बच्चों की मौत के बाद जानलेवा कोल्ड्रिफ सिरप यूपी, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में किया गया बैन, दी गई सलाह

मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप ने 19 मासूम बच्चों की जान ले ली। जिनमें 16 बच्चे मध्यप्रदेश के हैं और 3 बच्चे राजस्थान के हैं। बच्चों की मौतों के बाद कोल्ड्रिफ सिरप के बैच संख्या SR-13 की बिक्री और उपयोग पर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में रोक लगा दी गई है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने तत्काल प्रभाव से कोल्ड्रिफ सिरप ने सिरप की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही ये आदेश दिया है कि जिन लोगों के पास यह सिरप है, उन्हें औषधि नियंत्रण अधिकारियों को इसकी सूचना देने का निर्देश दिया गया है।

'वे कश्मीर को भारत से अलग करना चाहते हैं, किरेन रिजिजू ने कांग्रेस के आरोपों का दिया करारा जवाब

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने और राजनीतिक दलों की आवाज दबाने के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने विपक्षी दल पर राजनीति के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विचार का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। रिजिजू ने कहा कि जो लोग अपनी आवाज दबाए जाने का दावा करते हैं, वे वास्तव में देश के लिए अपने विभाजनकारी एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा, "हमारे देश में, जो लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात करते हैं, वे जम्मू और कश्मीर और पूर्वोत्तर को राष्ट्र से अलग करना चाहते हैं। क्या आप इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहेंगे? उन्हें संविधान में दिए गए अधिकारों की रक्षा के बारे में बात करनी चाहिए थी, जो मौलिक अधिकार होने चाहिए थे, न कि देश को तोड़ने, माओवादियों का समर्थन करने, या कश्मीर में अनुच्छेद 370 का बचाव करने के बारे में बात करनी चाहिए।"

केंद्रीय मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अक्सर अपने राजनीतिक मंचों का उपयोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत हमले करने के लिए करते हैं, जबकि साथ ही यह दावा भी करते हैं कि असहमति के लिए कोई जगह नहीं है। संसदीय मंत्री ने प्रधान मंत्री पर बार-बार होने वाले हमलों की आलोचना की, जिन्हें वैध असहमति के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, यह कहते हुए कि वे वास्तविक स्वतंत्र भाषण के बराबर नहीं हैं।

वे पीएम मोदी को गाली देते हैं...

रिजिजू ने कहा, "सुबह से शाम तक, वे पीएम मोदी को गाली देते रहते हैं और कहते हैं कि बोलने की आजादी नहीं है। वे इस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस हद तक दुरुपयोग करना चाहते हैं कि वे राष्ट्र को विभाजित करना चाहते हैं।"

इसके अलावा ,उन्होंने कोलंबिया में राहुल गांधी की हालिया टिप्पणियों पर उनकी आलोचना की, यह कहते हुए कि वह पहले कांग्रेस सांसद हैं जो विपक्ष के नेता बने और विदेश जाकर देश, उसकी व्यवस्था और लोकतंत्र के खिलाफ बोले। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत के बारे में तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं, और उनके कार्यों से देश की प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है।

'राहुल गांधी के बयान से देश की प्रतिष्ठा धूमिल होगी'

रिजिजू ने कहा, "मैंने यह भी सुना है कि राहुल गांधी ने कोलंबिया में क्या कहा, उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकता। उन्होंने जो कहा वह बहुत गलत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व किया है। हमारे विपक्ष के नेता विदेश गए और कहा कि भारत एक वैश्विक नेता नहीं बन सकता। समस्या यह है कि अगर विदेशों में लोगों को यह आभास होता है कि भारत में हर कोई राहुल गांधी जैसा है, तो इससे देश की प्रतिष्ठा धूमिल होगी।"

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हमारे देश में बुद्धिमान लोग हैं, हमारे पास अच्छे नेता और अच्छी विचारधारा वाले लोग हैं। लेकिन अगर राहुल गांधी इस तरह बोलते हैं, तो लोग सोचेंगे कि ऐसे लोग भारत में अधिक संख्या में हैं। यह सही नहीं है..."

संसदीय कार्य मंत्री ने राहुल गांधी के बयानों पर भाजपा की प्रतिक्रिया का भी बचाव किया, यह कहते हुए कि पार्टी की प्रतिक्रिया व्यक्तिगत दुश्मनी से प्रेरित नहीं है, बल्कि विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में उनके कार्यों के कारण है। उन्होंने आगे कहा कि इंदिरा गांधी, लाल कृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, सुषमा स्वराज और शरद पवार सहित किसी भी पिछले विपक्ष के नेता ने कभी भी विदेश में रहते हुए देश या सरकार के खिलाफ बयान नहीं दिए हैं।

इंदिरा गांधी जी भी चुनाव हारने के बाद विपक्ष की नेता थीं, लेकिन उन्होंने कभी देश के बारे में बाहर बात नहीं की और उनके बाद के सभी अन्य विपक्ष के नेता, चाहे वह लाल कृष्ण आडवाणी हों, अटल बिहारी वाजपेयी हों, सुषमा स्वराज हों, शरद पवार हों..."

'ये तेरे अब्बा का पाकिस्तान नहीं हिंदुस्तान है', अब क्यों भड़के मंत्री नितेश राणे? दे डाली खुलेआम धमकी

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार के मंत्री नितेश राणे अपनी कट्टर हिंदूवादी छवि के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही आए दिन अपने विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में छाए रहते हैं। एक बार फिर नितेश राणे ने हिंदू समुदाय को संबोधित करते हुए मुस्लिम समुदाय का नाम लिए बिना हमला बोला है।

दरसअल, मुंबई से सटे मीरा रोड में नवरात्रि के आठवें दिन जे.पी. नॉर्थ गार्डनर सिटी सोसाइटी में गरबा खेल रहे लोगों पर किसी ने अंडा फेंक दिया था, जिसके बाद वहां हंगामा मच गया। इस घटना पर भाजपा के दिग्गज नेता और मंत्री नितेश राणे आगबबूला हो गए हैं और उन्होंने कार्यक्रम में जमकर नाराजगी जताई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री नितेश राणे ने कहा, "यह हिंदू राष्ट्र है और यहाँ पहले हिंदुओं के हितों को देखा जाएगा, उसके बाद दूसरों के हितों को। उन्होंने यह भी कहा, "यह तेरे अब्बा का पाकिस्तान नहीं है, हिंदुस्तान है।" राणे ने जोर देकर कहा कि अगर कोई छुपकर उनका भाषण सुनने आया है, तो उसे यह समझना चाहिए कि यह एक हिंदू राष्ट्र है।

अगर हिंदू मां-बहन को गलत नजरों से देखा तो...

नितेश राणे ने आगे कहा, "अगर यहां किसी भी हिंदू मां -बहन को गलत नजरों से देखा गया, तो हम अपनी तीसरी आँख खोलना जानते हैं। यह महादेव की भूमि है और यहाँ सिर्फ 'आई लव महादेव' चलेगा।" राणे ने पुलिसकर्मियों को भी संबोधित करते हुए कहा कि यह देवेंद्र फडणवीस की सरकार है और उनके पास गृह मंत्रालय है, इसलिए पुलिसकर्मी उनका नाम खराब न करें।

राणे ने दी ये चेतावनी

राणे ने कहा, "हम मंत्रालय में बैठते हैं, हमें सारी जानकारी मिलती है।" उन्होंने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा, "यह पाकिस्तान-इस्लामाबाद नहीं है।" इसके बाद उन्होंने हुल्लड़बाजी का जिक्र किया और चेतावनी दी कि अगर कोई पुलिसकर्मी ऐसी गतिविधियों का समर्थन करता है, तो उनका नाम और फोटो देवेंद्र फडणवीस को भेज दिया जाएगा।

एक-दो सूअर भी पाल लो...

नितेश राण अगली वराह जयंती को ऐसे मनाने का आ'ान किया कि "ये लोग आपकी सोसाइटी से भाग जाएं।" राणे ने अपने भाषण में घरों में कुत्ता पालने की बात करते हुए कहा, "हम लोग तो कुत्ता पालते हैं ना घर में, मैं कहूँगा एक-दो सूअर भी पाल लो।"

तेरा ऐसा हाल करेंगे कि...

मोहसिन नाम के व्यक्ति को संबोधित करते हुए नितेश राणे ने कहा, "मोहसिन, अगर सुन रहा होगा तो ध्यान से सुन, ये तेरे अब्बा का पाकिस्तान नहीं है, हिंदुस्तान है।" उन्होंने चेतावनी दी, "अगर मेरे हिंदू समाज में कोई भी मेरी बहनों की तरफ गंदी नजर से देखेगा, तो फिर तीसरी आँख खोलना हमको भी आता है।

पति पवन सिंह से मिलने पहुंचीं ज्योति सिंह, भोजपुरी अभिनेता ने बुलाई पुलिस

लखनऊ, 05 अक्टूबर (वार्ता) भोजपुरी फिल्म अभिनेता और गायक पवन सिंह रविवार को एक बार फिर विवादों में घिर गए, जब उनकी पत्नी ज्योति सिंह उनसे मिलने के लिए लखनऊ स्थित अंसल गोल्फ सिटी पहुंचीं। मुलाकात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

सूत्रों के अनुसार, ज्योति सिंह दो दिन पहले सोशल मीडिया पर यह जानकारी दे चुकी थीं कि वह अपने पति से मिलने लखनऊ आ रही हैं। रविवार को उनके पहुंचते ही अपार्टमेंट परिसरों के बाहर हलचल मच गई। उन्होंने गेट पर खड़े होकर कहा कि जब तक पति से मुलाकात नहीं होगी, तब तक वह लौटेंगी नहीं। इससे मौके पर भीड़ इकट्ठी हो गई और हालात तनावपूर्ण हो गए।

माननीय राज्यपाल श्रीमती आनन्दी पटेल जी से आज राजभवन, लखनऊ में यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिष्टाचार भेंट की।

बदलने वाला है बेंगलुरु मेट्रो का नाम और क्यों? नई पहचान क्या होगी? कर्नाटक सीएम की योजना जानें

(जीएनएस)।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की लाइफलाइन 'नम्मा मेट्रो' का नाम बदलने का प्रस्ताव जोर पकड़ रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार (5 अक्टूबर 2025) को ऐलान किया कि वे केंद्र सरकार को पत्र लिखकर मेट्रो का नाम 12वीं सदी के समाज सुधारक बसवन्ना के नाम पर रखने का सुझाव देंगे।

इसे 'बसवा मेट्रो' नाम देने की मांग लंबे समय से उठ रही है, और अब CM ने इसे गंभीरता से लेते हुए कदम उठाने का भरोसा दिया है। लेकिन क्यों ये बदलाव? और क्या केंद्र मंजूरी देगा? आइए, समझते हैं पूरी बात...

क्या है प्रस्ताव? बसवन्ना की विरासत को सलाम

कर्नाटक CM सिद्धारमैया 'बसव संस्कृति अभियान-2025' के समापन समारोह में बोल रहे थे। ये कार्यक्रम बसवन्ना को 'कर्नाटक का सांस्कृतिक नेता' घोषित करने की पहली वर्षगांठ पर आयोजित हुआ था। विभिन्न लिंगायत मठों के संतों और गुरुओं के बीच CM ने भीड़ की मांग सुनी।

उन्होंने कहा, 'मैं केंद्र को पत्र लिखकर 'नम्मा मेट्रो' को 'बसवा मेट्रो' नाम देने का प्रस्ताव रखूंगा। अगर ये पूरी तरह राज्य प्रोजेक्ट होती, तो मैं आज ही मंजूरी दे देता। लेकिन राज्य का हिस्सा 87% होने के बावजूद केंद्र की 13% हिस्सेदारी के कारण उनकी सहमति जरूरी है।'

कौन थे बसवन्ना?

बासवन्ना, जिन्हें 'विश्वगुरु बसवन्ना' भी कहा जाता है, 12वीं सदी के महान संत, कवि और समाज सुधारक थे। उन्होंने जाति-वर्ण व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई, समानता और सह-अस्तित्व का संदेश दिया। 'अनुभव मंडप' (दुनिया की पहली धार्मिक संसद) की स्थापना उनके नाम से जुड़ी है, जहां संत-दार्शनिक बहस करते थे। जनवरी 2024 में कर्नाटक सरकार ने उन्हें राज्य का 'सांस्कृतिक आइकन' घोषित किया था। उट ने कहा, 'बसवन्ना का सपना जाति-रहित, वर्ग-विहीन समाज का था। मेट्रो को उनके नाम पर नाम देना उनकी विरासत को जीवंत करेगा।'

क्यों ये बदलाव?

नाम बदलाव का प्रस्ताव सिर्फ नाम का नहीं, बल्कि कर्नाटक की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का है। CM ने जोर देकर कहा, 'हम सभी पहले इंसान हैं, फिर भारतीय। जाति, धर्म के भेदभाव को खत्म करना बसवन्ना का संदेश था, जो आज भी प्रासंगिक है।' ये कदम लिंगायत समुदाय की भावनाओं को भी संतुष्ट करेगा, जो राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त समाचार

हरमनप्रीत कौर ने नहीं मिलाया पाकिस्तानी कप्तान से हाथ, ICC के सामने रोएगा पाकिस्तान?

आईसीसी के नियमों में हाथ मिलाने का जिक्र नहीं है। हाथ मिलाना एक परंपरा है। नियमों से इसका कोई लेना-देना

नहीं है। इस वजह से भारत के ऊपर कोई एक्शन नहीं होगा। भारत ने यहां किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया है। शायद पाकिस्तान भी यहां कोई मुद्दा नहीं बनाएगा।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर भारत को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया. भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि हम अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। दुर्भाग्य से आज अमजोत नहीं खेल रही हैं क्योंकि वह बीमार हैं।

राजभवन लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से की शिष्टाचार भेंट

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच आज राजभवन लखनऊ में एक महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट हुई। मुलाकात सौहार्द और सम्मान के माहौल में हुई, जिसमें राज्य के विभिन्न विकास कार्यों, सामाजिक पहलों और शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को एक विशेष पुस्तक — 'विवेकानंद और मोदीः दो युगपुरुष, जिन्होंने भारत की दशा व दिशा बदली' भेंट की। यह पुस्तक भारतीय चिंतन, राष्ट्रवाद और आधुनिक भारत के पुनर्निर्माण पर आधारित है, जिसमें स्वामी विवेकानंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों, कार्यशैली और नेतृत्व को समान भाव से प्रस्तुत किया गया है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पुस्तक प्राप्त करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद और प्रधानमंत्री मोदी दोनों ही ऐसे नेता हैं जिन्होंने युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री की इस पहल की सराहना की और कहा कि इस पुस्तक को पढ़कर युवाओं में राष्ट्रप्रेम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का भाव और प्रबल होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा ह्वस्वामी विवेकानंद ने आध्यात्मिकता और आत्मबल के माध्यम से भारत की आत्मा को जगाया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसी भावना को नीति, शासन और वैश्विक नेतृत्व में रूपांतरित किया। 'दोनों ने मिलकर भारत की दिशा और दशा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।'

तेजस्वी यादव ने सरेआम खोला राज! बताया भाजपा से कौन-सी एक चीज सीखने लायक

(जीएनएस)।

बिहार में इस समय राजनीतिक सरगर्मियां अपने चरम पर हैं और आरोप-प्रत्यारोप का तूफानी दौर जारी है। इसी गहमागहमी के बीच राष्ट्रीय जनता दल (फखऊ) नेता और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बीजेपी को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसने सभी को चौंका दिया है।

आमतौर पर भाजपा के धुर विरोधी माने जाने वाले तेजस्वी से जब एक पॉडकास्ट में यह पूछा गया कि वह कौन-सी एक अच्छी चीज है जो वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सीखना चाहेंगे, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के ऐसी क्वालिटी बताई जिसे सुनकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा छिड़ गई है।

क्या है भाजपा से सीखने लायक सबसे बड़ी बात?

तेजस्वी यादव ने तुरंत जवाब दिया कि बीजेपी से सीखने लायक सबसे बड़ी बात उनकी 24\7 काम करने की क्षमता है। हालांकि, उन्होंने यह जोड़ा कि भाजपा 'उल्टा काम' करती है, लेकिन उनके समर्पण और मेहनत पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

तेजस्वी ने साफ कहा कि बीजेपी नेता अपनी विचारधारा और अपनी पार्टी को लेकर पूरी तरह से समर्पित रहते हैं और लगातार प्रयास करते हैं।

बिहार में विधानसभा चुनावों की सरगर्मी अपने चरम पर है, जहां दोनों ही पक्ष एक-दूसरे पर हमलावर हैं, ऐसे माहौल में तेजस्वी का यह बयान कि उनके विरोधी 'मेहनत' करते हैं और अपनी पार्टी के प्रति 'समर्पित' हैं- यह दशार्ता है कि राजनीति में विरोधी भी अपनी ताकत को पहचानते हैं। यह स्वीकारोक्ति न केवल तेजस्वी की मैच्योरिटी को दशार्ती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि विपक्ष भाजपा की चुनावी मशीनरी की अटूट मेहनत को नजरअंदाज नहीं कर रहा है।

सीओ के मकान में चोरी करने वाले ईनामी बदमाश से हुई पुलिस की मुठभेड़ : चोरी का माल, अवैध हथियार और चोरी की बाइक बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र में यूपी पुलिस के सीओ के मकान में ताले तोड़कर चोरी करने वाले 25 हजार के ईनामी बदमाश से हाईवे पुलिस और एसओजी टीम की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से ईनामी बदमाश लंगड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्रोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा के नेतृत्व में थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह और एसओजी प्रभारी राकेश कुमार पुलिस टीम के साथ ईनामी अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाए हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि फरार चल रहा 25 हजार का ईनामी बदमाश किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में गोवर्धन रोड़ स्थित एफसीआई गोदाम के पास छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी

शैलेन्द्र सिंह और एसओजी प्रभारी राकेश कुमार पुलिस टीम में चौकी प्रभारी सतोहा दीपक नागर, चौकी प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र मोनू कुमार, मुख्य आरक्षी अनिल कुमार, प्रदीप कुमार, गब्बर सिंह, एसओजी टीम के मुख्य आरक्षी सुधीर कुमार, अजय कुमार, रजनीश यादव, मुकेश कुमार, पीयूष कुमार, दीपक राव और सूरजपाल के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम ने ईनामी बदमाश को घेरा तो शातिर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जबावी फायरिंग की तो 25 हजार के ईनामी बदमाश हरदेव पुत्र धुर्री उर्फ जसवंत निवासी मांगरौल जाट थाना अछनेरा जिला आगरा के पैर में सरकारी पीतल धंस गई। पुलिस की गोली से घायल हुए ईनामी बदमाश को गिरफ्तार करने के बाद उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने पकड़े गए ईनामी बदमाश के पास से 1 तमंचा, कारतूस, सीओ के मकान से चोरी की गई नगदी में से 55 सौ रूपए, एक जोड़ी सोने के टॉप्स, एक पंजाब नेशनल बैंक की पासबुक, एक शस्त्र लाईसेंस और चोरी की बाइक बरामद की है। बताते चलें कि मुठभेड़ में घायल हुए ईनामी बदमाश ने विगत 22 अगस्त की रात्रि में यूपी पुलिस के सीओ संजीव तोमर के पुष्पांजलि उपवन स्थित मकान के गेट को काटकर घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने पकड़े गए ईनामी बदमाश के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

'हमारे घर का एक कमरा किसी ने हथिया लिया है उसे हमें वापस लेना है', आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने क्यों बोली ये बात

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने मध्य प्रदेश के सतना में 'अखंड भारत' के अपने संकल्प को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "हम सभी एक हैं, सभी सनातनी और हिंदू हैं। भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि एक अंग्रेज ने आकर टूटे दर्पण का उदाहरण देकर हमें अलग कर दिया था।

सतना के बीटीआई ग्राउंड में आयोजित एक सभा में मोहन भागवत ने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि जब भी इतिहास ने हमें देखा, तो हमने हमेशा ख़ुद को उन्नत स्वरूप में

ही पाया। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे ऋषि-मुनियों ने इस सत्य को बहुत पहले ही खोज लिया था और इसके आधार पर एक पूरे राष्ट्र का निर्माण किया था।

आरएसएस प्रमुख ने सिंधियों का जिक्र करते हुए कहा कि वे अविभाजित भारत से आए थे, पाकिस्तान नहीं गए। उन्होंने कहा, "यह आदत नई पीढ़ी तक जानी चाहिए, क्योंकि हमारा एक घर है। परिस्थितिवश हमें उस घर से यहां आना पड़ा, क्योंकि वह घर और यह घर अलग नहीं है।"

हमारे घर का एक कमरा...

उन्होंने आगे कहा, "पूरा भारतवर्ष एक ही घर है, परंतु हमारे घर का एक कमरा, जिसमें मेरा टेबल, कुर्सी और कपड़े रहते थे, उसे किसी ने हथिया लिया। कल मुझे उसे वापस लेकर वहां फिर से अपना डेरा डालना है। इसलिए यह याद रखना होगा कि यह अविभाजित भारत है।"

भले ही कुछ लोग खुद को हिंदू न मानें, लेकिन...

मोहन भागवत ने कहा, "भाषा, वेशभूषा, भजन, भवन, भ्रमण और भोजन-ये सब हमें अपनी परंपरा के अनुसार ही चाहिए।" उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भले ही कुछ लोग खुद को हिंदू न मानें, लेकिन जब वे विदेश जाते हैं, तो दुनिया उन्हें हिंदी या हिंदवी कहकर ही पहचानती है।

उन्होंने बताया कि ऐसे लोग यह सुनकर आश्चर्यचकित हो जाते हैं और पूरी कोशिश करते हैं कि उन्हें इस पहचान से न जोड़ा जाए। मोहन भागवत ने कहा, "लगातार ऐसा कहने के बावजूद, दुनिया आज भी हमें हिंदू कहती है। हमें इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए और एक साथ रहना चाहिए।"

भाषा विवाद पर टिप्पणी करते हुए भागवत ने कहा कि भाषाएं अनेक हो सकती हैं, लेकिन उनका भाव एक ही होता है। उन्होंने बताया कि बहुत सारी भाषाएं मूल भाषा से ही निकली हैं और भारत की सभी भाषाएं राष्ट्रभाषा हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि हर नागरिक को कम से कम तीन भाषाएं आनी चाहिएः घर की भाषा, राज्य की भाषा और राष्ट्र की भाषा।

गौरतलब है कि मोहन भागवत ने सतना में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान रविवार को बाबा मेहर शाह दरबार की नवनिर्मित इमारत का उद्घाटन भी किया था।

हाईवे पुलिस ने दबोचे तीन अन्तर्जनपदीय बदमाश : चोरी का माल, नगदी, अवैध हथियार और घटना में प्रयुक्त कार बरामद

उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद दे रहे थे चोरी की वारदातों को अंजाम

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित अडूकी रोड़ पर आर्मी बाउंड्रीवॉल के पास से पुलिस ने तीन अन्तर्जनपदीय शातिर बदमाशों को दबोच लिया। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से चोरी का माल और अवैध हथियार बरामद हुए हैं। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्रोक कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ रात्रि में गश्त कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि अडूकी रोड़ पर आर्मी बाउंड्रीवॉल के पास तीन बदमाश किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह पुलिस टीम में एसआई सौरभ तेवतिया, मुख्य

आरक्षी रमेश, सतेन्द्र दुबे और मोहित के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने पुलिस को चकमा देकर भागने का प्रयास किया। किंतु पुलिस टीम ने घेराबंदी करते हुए अन्तर्जनपदीय शातिर बदमाश रौनक बधावन पुत्र संजय निवासी निवासी गुजैनी थाना गोविंदनगर जिला कानपुर नगर, रौनक पुत्र ओमप्रकाश निवासी कटरा गुलाब सिंह थाना जठवारा जिला प्रतापगढ़ और राजू उर्फ कबडू पुत्र रमेशचन्द्र निवासी रामनगर थाना कोतवाली जिला उन्नाव को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से चोरी का एक लैपटॉप, एक लहंगा, 5 हजार रूपए, 2 तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त वैगनार कार बरामद की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि विगत 30 सितंबर की रात्रि में थाना हाईवे क्षेत्र स्थित शाहकुंज में चारग एम्पोरियम, कजरिया शोरूम से पकड़े गए शातिर बदमाशों ने शटर काटकर एक लैपटॉप, लैपटाप के बैग में रखी रजिस्ट्री की कॉपी, आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैग में रखे 40 हजार रुपए को चोरी करके फरार हो गए थे। बताया कि पकड़े गए बदमाश, बीटेक आदि करने के बाद जरायम की दुनियां में आकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

वृंदावन पुलिस ने पकड़ा मादक पदार्थ तस्कर : गांजा बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना वृंदावन क्षेत्र स्थित सौफुटा पुल के पास से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी वृंदावन संजय पांडेय और चौकी प्रभारी अद्धा कुलवीर तरार पुलिस टीम के साथ मादक पदार्थ और अवैध शराब तस्करों की तलाश कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि सौफुटा रोड़ स्थित पुल के पास एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय पांडेय और चौकी प्रभारी कुलवीर तरार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर पवन पुत्र हंसराज निवासी चुंगी

गली धौलीप्याऊ थाना कोतवाली, मथुरा को दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके पास से 550 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके न्यायालय भेज दिया है।

नौहझील पुलिस ने गांजा समेत एक तस्कर पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित शहदगढ़ी मोड़ पर अस्थाई गौशाला के पास से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह और एसआई अशेष कुमार पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान पुलिस की गाड़ी को देखकर भाग रहे सतेन्द्र कटारा उर्फ सोनू पुत्र राजवीर कटारा निवासी गांव सिंकदरपुर थाना सूरीर को पुलिस ने शक होने पर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से 250 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके न्यायालय भेज दिया है।

छाता पुलिस ने अवैध असलाह समेत एक बदमाश को पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित भोले बाबा कंपनी के पास से पुलिस ने एक बदमाश को अवैध असलाह समेत गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि हाईवे पर भोले बाबा कंपनी के पास एक बदमाश अवैध हथियार लेकर खड़ा हुआ है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे बदमाश मुनन पुत्र मुन्ना निवासी गांव दौताना थाना छाता को पुलिस ने घेरकर पकड़ लिया।

पुलिस ने पकड़े गए बदमाश के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

भाजपा नेता के भतीजे की हत्या करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने दबोचा : अवैध हथियार और मृतक के खून से सने कपड़े बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र में भाजपा नेता के भतीजे की गोली मारकर हत्या करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्रोक कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह पुलिस टीम के साथ भाजपा नेता के भतीजे की हत्या करके फरार चल रहे बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए ताबड़तोड़ दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि युवक की हत्या करके फरार चल रहे दो बदमाश, जनपद से बाहर भागने की फिराक में खायरा माइनर की पटरी पर खड़े हुए

हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह पुलिस टीम में एसआई हरेन्द्र सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी, एसआई कपिल नागर, एसआई पुनीत सिरोही, मुख्य आरक्षी अरुण कुमार और रोहित कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस की गाड़ी को देखते ही वहां खड़े हत्यारोपी भागने लगे। पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर बदमाश सोनू पुत्र बबली निवासी गांव आजनोंख थाना बरसाना और मृदुल पुत्र रामस्वरुप शर्मा उर्फ पप्पू निवासी गांव फालैन थाना कोसीकलां को घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपियों के कब्जे से दो तमंचा, कारतूस, घटना के समय हत्यारोपी सोनू के पहने हुए पेंट, जिसमें मृतक अजीत का खून लगा हुआ, दूसरे हत्यारोपी मृदुल द्वारा पहने हुए पैंट-शर्ट, मृतक अजीत का खून लगा हुआ बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपियों के खिलाफ

अमित शाह का कांग्रेस पर वार, 'शिवाजी के अनुयायियों ने बदला शहरों का नाम, औरंगजेब के चेलों में नहीं था दम'

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहिल्यानगर में आयोजित सभा में शहरों के नाम बदले जाने का श्रेय बीजेपी को दिया। इस दौरान उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि हमारी सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। हमने छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरव को फिर से जिंदा करने का काम किया है। बता दें कि महाराष्ट्र के दो प्रमुख शहरों औरंगाबाद और अहमदनगर का नाम बीजेपी सरकार ने बदलकर संभाजीनगर और अहिल्यानगर किया है।

इसी दौरान पूर्ववर्ती सरकारों पर हमला बोलते हुए गृहमंत्री ने कहा, 'औरंगजेब के चेलों में इतना दम नहीं था कि वे मराठा शक्ति को झुका सकें। आज शिवाजी महाराज के अनुयायियों ने वही इतिहास दोहराया है शहरों के नाम अब उनकी विरासत के अनुसार रखे जा रहे हैं।'

अमित शाह ने पूर्ववर्ती सरकारों और विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि शिवाजी के वंशजों ने शहर को सम्मान दिलाया है। औरंगजेब के चेलों में इतना दम कहां था कि वो नाम बदलते। ग- हमंत्री ने कहा, 'औरंगजेब की विचारधारा को बढ़ावा देने वाले कभी जनता का दिल नहीं जीत सकते। यह संभाजीनगर है, और रहेगा। औरंगजेब के नाम पर कोई भी शहर इस देश में अब नहीं जाना जाएगा।' शाह ने मंच से शिवाजी और संभाजी महाराज को नमन करते हुए कहा कि मराठा स्वाभिमान भारत की असली ताकत है।

अहिल्यानदर में आयोजित सभा में उन्होंने विट्ठलराव पाटिल को उनके सहकारी आंदोलन में योगदान के लिए याद करते हुए कहा कि उन्होंने दुनिया का पहला सहकारी शक्कर कारखाना स्थापित किया था।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

आजादी में महात्मा गांधी जी के योगदान को भी भूलना चाहिए

कुछ दिन पूर्व हिंदी फिल्मों में दूसरे के लिखे गानों को अपनी आवाज देकर अपनी रोजी रोटी चलाने वाले अभिजीत ने यह कह दिया कि गांधी भारत के राष्ट्रपिता नहीं हो सकते वे पाकिस्तान के राष्ट्रपिता हो सकते हैं इन महाशय को ये नहीं पता गांधी न होते तो आज के भारत का जो स्वरुप है वह अस्तित्व में आ ही नहीं सकता था।

वहीं दूसरी ओर एक जमाने में भाजपा की फायर ब्रांड नेता अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन में प्रखर होकर बोलने वाली मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने एक कार्यांम में माना कि हमारी इतनी हैसियत नहीं कि गांधी के व्यत्तित्व के बारे में बोल सके। वे गांधी ही थे जो ईस्ट इंडिया वंपनी के खिलाफ हिसक आंदोलनों को अहिसा के द्वारा बातचीत के मध्यम से करने और भारत को आजाद कराने में सफल हुए वरना 1771 के तिलका मांझी का ईस्ट इंडिया वंपनी के खिलाफ हिसक आंदोलन और 1857 के हिसक आंदोलन का परिणाम यह रहा कि आंदोलनकारियों को युद्ध में मार दिया गया या फिर उन्हें फांसी दे दी गई, ये तो गांधी थे जिन्होंने अहिसा के रास्ते पर चलकर देश के आजाद होने की कहानी लिखी।

परिचर्चा का मुख्य विषय यह है कि क्या गांधी आज भी प्रासंगिक हैं। आज कल के हिन्दू राष्ट्र की रट लगाने वाले नव सनातनी वुछ भी कहें गांधी जी के इस योगदान को भी भूलना चाहिए कि गांधी जी ने 560 से अधिक देशी रियासतों में बंटे इस भूखंड को एक राष्ट्र की पहचान दी और यह मानने में संकोच नहीं किया कि जो देश में करोड़ों मुसलमान रह रहे हैं उनमें से 90 फीसद के पुरखे हिन्दू धर्म मानने वाले थे और वे भी हिदुस्तान के नागरिक हैं और वे इस वतन से प्यार करते है इसीलिए उन पर मुसलमानों ले लिए सॉफ्ट कॉर्नर रखने का आरोपी वुछ हद मान सकते है पर इसके लिए उनकी हत्या कर दिया जाना कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। अगर उन्होंने देश में साइमन कमीशन का बहिष्कार करने का पैसला नहीं किए होता तो अंग्रेज इस देश को मुस्लिम और डिप्रेस्ड क्लास को बांटने में सफल हो गए होते। जब अंग्रेज सरकार ने मुस्लिमो के लिए अलग निर्वाचन मंडल का प्रावधान बनाया जो देश के धरमिक आधार पर 1947 में बंटवारे का आधार बना पर गांधी जी ने जो मुसलमान भारत में ही रहना चाहते हैं उनकी वकालत की जिसकी वजह से हमे एपीजे कलाम, अब्दुल हमीद जैसे न जाना देश को सही दिशा देने और देश पर वुर्बान होने वाले मुसलमान कहा से मिलते। गांधी का दूसरा योगदान पूना पैक्ट को मूर्त रूप देना था अगर यह नहीं होता तो देश की 20फीसद आबादी वाला वंचित समुदाय अलग देश की मांग करता और यह हो जाता तो भारत देश बचे खुचे 15-20फीसद आबादी वाले लोगों का नेपाल जैसा देश बन जाता, इसलिए आज के भारत का जो स्वरूप हमारे सामने है उसका पूरा श्रेय गांधी जी को देना चाहिए। कोई माने या न माने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देश के निर्माण में गांधी जी के योगदान को पूरा महत्व देते हैं और उनके जन्मदिन 2 अक्टूबर के दिन स्वच्छ भारत अभियान और देवालय से पहले शौचालय मिशन की शुरूआत की, गांधी जी से प्रेरणा लेकर घर घर शौचालय अभियान चलाया जिसका परिणाम यह है कि आज गांव की महिलाओं को शौच जाने के लिए रात के अंधेरे का इंतजार नहीं करना पड़ता। गांधीजी की स्वदेशी अवधारणा को मूर्त देने के लिए सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्दाम मंत्रालय को अपना विजन मंत्रालय बनाया और इसका प्रभार अपने सबसे अनुभवी मंत्री जीतनराम मांझी को दिया जो स्वयं सदियों से उपेक्षित तिरस्वृत मुसहर समाज से आते हैं जिससे यह सुनिाित किया जा सके कि इस मंत्रालय की योजनाएं गांव के गरीबों को मिले। गांधी जी ने अपने पूरे जीवन काल में सिद्धांतों और प्रथाओं को विकसित करने पर जोर दिपीड़तों के लिए और हाशिए पर पड़े समूहों के लिए आवाज उठाई। गांधीजी सर्वधर्म समभाव की भावना से प्रेरित थे जो कि आधुनिक युग के वैश्विक वैश्विक सद्भावना बनाए रखने और वसुधैव वुटुम्बक के विचार को साकार करने के लिए अत्यन्त आवश्यक है। वे साधन और साध्य की शुद्धता पर बल देते थे। गांधीजी सत्य को ईश्वर का पर्याय मानते थे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में घुमंतू और विमुक्त जातियों का राज्य स्तरीय महासम्मेलन

- प्रधानमंत्री ने घुमंतू और विमुक्त जातियों के लिए अनेक कल्याण योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से इस बात को साकार किया है कि 'जिनको कोई नहीं पूछता, उनको मोदी पूजता है' : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल
- ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया आदि की उपस्थिति

गांधीनगर, 05 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद में आयोजित घुमंतू और विमुक्त जातियों के राज्य स्तरीय महासम्मेलन में साफ तौर पर कहा कि जिनको कोई पूछता भी नहीं था, ऐसे अंत्योदय, गरीब और वंचितों को मोदी साहब ने पूजा है।

डीएनटी फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस महासम्मेलन राज्य भर से घुमंतू और विमुक्त जातियों के लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अतीत में यह सवाल था कि घुमंतू और विमुक्त जाति का समाज आगे बढ़ेगा तो आखिर कब बढ़ेगा, लेकिन हमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसा सक्षम नेतृत्व मिला और प्रत्येक व्यक्ति एवं समाज को साथ रखकर चलने से 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का ध्येय साकार हुआ है।

उन्होंने कहा कि छोटे से छोटे व्यक्ति के बारे में विचार कर सरकारी योजनाएं और नीतियां बनाई गई हैं और विकसित भारत के निर्माण के लिए

हाशिये पर खड़े और मध्यम वर्ग के लोगों को केंद्र में रखकर उन्हें विकास के साथ जोड़ा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने घुमंतू और विमुक्त जातियों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने पर बल देते हुए कहा कि सरकार ने आपके बेटे-बेटियां पढ़-लिखकर आगे बढ़ सकें, इसके लिए बहुत सारी योजनाएं बनाई हैं। पिछले तीन वर्षों में घुमंतू और विमुक्त जाति के 27 लाख से अधिक लाभार्थियों को 297 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति सहायता और 8448 लाभार्थियों को 105 करोड़ रुपए की ऋण सहायता प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश और दुनिया के साथ-साथ समय की जो मांग है, उसके मुताबिक बच्चे कदम से कदम मिलाकर पढ़-लिखकर कर आगे बढ़ रहे हैं, इसमें जहां भी आवश्यकता होगी, वहां सरकार आपके साथ खड़े रहने को तैयार है।

उन्होंने इस समाज की बहनों और माताओं को भी स्वयं सहायता समूह जैसी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तब आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सभी समाजों को भी इसमें जुड़ना होगा।

विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात बनाने हेतु सरकार विभिन्न कल्याण योजनाओं में संतृप्तिकरण यानी सैचुरेशन के दृष्टिकोण से साथ खड़ी है ताकि समाज का छोटे से छोटा व्यक्ति भी मुख्यधारा में शामिल हो सके।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लिए वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी वस्तुओं के अधिक से अधिक उपयोग का आ'ान करते हुए कहा कि जीएसटी सुधारों के कारण जनजीवन को बहुत लाभ हो रहा है।

इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने आने वाले त्योहारी सीजन में स्वदेशी वस्तुओं की खरीद-बिक्री को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को गति देने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्रीमती भानुबेन बाबरिया ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने घुमंतू और विमुक्त जाति के लोगों को स्थायी ठिकाना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्हें 'खुद का घर' देने की शुरूआत की थी। उन्होंने आगे कहा कि 28 घुमंतू और 12 विमुक्त जातियों सहित कुल 40 जातियां सामाजिक और शैक्षणिक रूप से बहुत अधिक पिछड़ी हैं, तब राज्य सरकार ने 2015 में ऐसे लोगों के लिए निगम का गठन किया था।

श्रीमती बाबरिया ने कहा कि राज्य सरकार ने घुमंतू और विमुक्त जाति के बच्चों की शिक्षा की चिंता कर उन्हें स्कॉलरशिप और अन्य शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अंतिम छोर के लोगों तक विकास का लाभ पहुंचाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने ऐसी व्यवस्था की है कि स्ट्रीट वेंडर्स यानी पथ विक्रेता को अपने व्यवसाय के लिए बैंक से आसान तरीके से ऋण मिल सके।

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों द्वारा पद्मश्री भानुभाई चितारा का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद और भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीलोय अध्यक्ष डॉ. के. लक्म्ईण, राज्यसभा सांसद और प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष श्री मयंक नायक, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभा जैन, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री पेरकभाई शाह, श्री भरतभाई पटणी, श्री प्रवीणभाई धुगे, श्री सागरभाई रायका और घुमंतू एवं विमुक्त जातियों के राज्य भर से आए अग्रणियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

करसनभाई के एक विचार ने रची भारतीय उद्योग में एक महान विरासत, उनकी यात्रा VGRC में देगी उद्यमियों को प्रेरणा

- कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित करसनभाई पटेल
- बेहतरीन गुणवत्ता और किफायती मूल्य का संगम बनाने वाली 'निरमा' ने बनाई भारतीय उपभोक्ताओं के बीच नई पहचान
- उद्योग के साथ-साथ दूरदर्शी शिक्षाविद् और निष्ठावान समाजसेवी भी थे करसनभाई पटेल
- मंडाली और छत्राल में स्थापित विशाल औद्योगिक केंद्रों से स्थानीय विकास और रोजगार में दिया उत्कृष्ट योगदान

गांधीनगर, 05 अक्टूबर : उत्तर गुजरात के एक साधारण किसान परिवार से निकले एक युवक ने वह कर दिखाया, जिसे आज दुनिया ह्लभारतीय उद्यमशीलता की मिसाल' के रूप में पहचानती है। श्री करसनभाई पटेल एक ऐसे विज्ञान स्नातक जिन्होंने अपने घर से शुरू किया वह सफर, जो आज अरबों डॉलर के औद्योगिक साम्राज्य तक पहुँचा।

रूपपुर से अहमदाबाद तकः एक तकनीशियन से उद्यमी तक का सफर

1945 में उत्तर गुजरात के रूपपुर गाँव में जन्मे करसनभाई पटेल ने रसायन विज्ञान में बी.एससी. की डिग्री हासिल की। अहमदाबाद के न्यू कॉटन मिल्स में लैब तकनीशियन के रूप में नौकरी करते हुए उन्होंने 1969 में अपने घर से ही डिटर्जेंट पाउडर बनाना शुरू किया। सुबह दफ़्तर जाने से पहले वे अपनी साइकिल पर शहर में घूमते और अपने हाथों से बनाए डिटर्जेंट के पैकेट घर-घर बेचते। उन्होंने इस उत्पाद का नाम अपनी स्वर्गीय पुत्री के नाम ह्लनिरमा', पर रखा जो आगे चलकर भारत की सबसे लोकप्रिय ऋ्टउऋ्र ब्रांडों में से एक बनी।

उत्तर गुजरात में औद्योगिक परिवर्तन का सूत्रपात

श्री करसनभाई पटेल ने अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बनाया, बल्कि इसे सामाजिक विकास का माध्यम बनाया। उन्होंने मंडाली और छत्राल जैसे उत्तर गुजरात के इलाकों में विशाल औद्योगिक केंद्र स्थापित किए। इन इकाइयों ने हजारों स्थानीय युवाओं को स्थायी रोजगार दिया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फलने-फूलने का अवसर दिया।

'निरमा' ने उस दौर में भारतीय उपभोक्ताओं को एक ऐसा विकल्प दिया, जो गुणवत्ता और किफायत का अद्भुत संगम था। जहाँ विदेशी ब्रांड महंगे थे, वहीं 'निरमा' ने साधारण परिवारों को सुलभ मूल्य पर बेहतरीन

गुणवत्ता उपलब्ध कराई। यही सादगी और भरोसा उसका सबसे बड़ा विज्ञापन बन गया। लोगों की जुबान से निकली सिफारिशें ही उसके प्रचार का माध्यम बनीं। देखते ही देखते 'निरमा' हर घर की जरूरत, हर मां की पसंद और हर भारतीय की पहचान बन गया। इस अपार सफलता के बाद करसनभाई पटेल ने अपनी सरकारी नौकरी छोड़ दी और पूरे समर्पण के साथ अपने सपने "निरमा" को राष्ट्रव्यापी उद्योग का स्वरूप देने के लिए जुट गए।

शिक्षा के माध्यम से समाज निर्माण का दूरदर्शी संकल्प

करसनभाई पटेल का मानना था कि किसी भी समाज की सच्ची समृद्धि उसकी शिक्षा से ही संभव है। इसी भावना के साथ उन्होंने निरमा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की ताकि ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से नई पीढ़ी को सशक्त बनाया जा सके। इस पहल के अंतर्गत निरमा यूनिवर्सिटी और निरमा विद्याविहार जैसे प्रतिष्ठित संस्थान स्थापित हुए, जो आज इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विधि, डिजाइन, फामेर्सी और वास्तुकला जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। कर्सनभाई पटेल ने यह सिद्ध कर दिखाया कि बिना घर छोड़े और बिना सपनों को छोड़े भी विश्वस्तरीय शिक्षा अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध कराई जा सकती है।

करसनभाई पटेलः एक प्रेरक उद्यमी, एक दूरदर्शी शिक्षाविद्, एक निष्ठावान समाजसेवी

करसनभाई पटेल ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि जब समर्पण, दृष्टि और कर्म एक साथ चलते हैं, तो सफलता केवल व्यक्ति की नहीं, समाज की भी होती है। उद्योग, शिक्षा और समाज तीनों क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। 1990 में उन्हें उद्योग रत्न पुरस्कार, 1998 में गुजरात बिजनेसमैन अवॉर्ड, 2006 में अर्न्स्ट एंड यंग लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड, 2009 में सरदार वल्लभभाई पटेल विश्व प्रतिभा अवॉर्ड और 2010 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी (यूएसए) और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (इंदौर) ने भी उन्हें मानद उपाधियाँ प्रदान कर उनके बहुआयामी योगदान को सम्मानित किया है।

आगमी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस औद्योगिक क्षेत्र के लिए बनेगी प्रेरणा और नवाचार की नई दिशा

आगामी 9-10 अक्टूबर को उत्तर गुजरात के मेहसाणा में आयोजित होने वाले वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (श्ऋ्रछ) उत्तर गुजरात के ऐसे ही दूरदर्शी उद्यमियों की प्रेरक यात्राओं को नमन करने का अवसर है जिन्होंने स्थानीय संसाधनों, नवाचार और अटूट संकल्प के बल पर वैश्विक पहचान बनाई। साथ ही, यह आयोजन न केवल उत्तर गुजरात की उद्यमशीलता भावना का उत्सव है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह प्रेरक संदेश भी देता है कि जब एक विचार कर्म और निष्ठा से जुड़ता है, तो वह सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि परिवर्तन की कहानी बन जाता है।

टीम इंडिया ने पाक को बुरी तरह धूल चटाई

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला वनडे वर्ल्ड कप में आज के मैच का टॉस पाकिस्तान ने जीता और पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय 247 रनों के कुल स्कोर पर ऑल आउट हो गई, हालांकि टीम इंडिया ने पाक को बुरी तरह धूल चटाई।

टीम इंडिया की शुरूआत अच्छी रही, स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 48 रनों की भागीदारी की। अच्छी शुरूआत करने के बाद मंधाना 23 रनों के निजी स्कोर पर आउट हो गईं। प्रतिका ने भी 31 रनों की पारी खेली। बाद में भारत के कुछ विकेट गिरे, उनमें हरमनप्रीत कौर (19) का विकेट अहम रहा।

मुश्किल स्थिति में भारत के लिए हरलीन देओल ने अहम रोल निभाते हुए 46 रनों की पारी खेली। जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा ने भी क्रमशः 25 और 32 रनों की पारियां खेली। इन सबके बीच निचले क्रम से ऋचा घोष ने धमाल मचाते हुए तेजी से बैटिंग की। उन्होंने 2 छक्के और 3 चौकों की मदद से 20 गेंदों में 35 रनों की नाबाद पारी खेल।

अंतिम गेंद तक भारतीय टीम ने अपने सभी विकेट गंवाकर 247 रनों का स्कोर हासिल कर लिया, अगर मिडिल ऑर्डर से बल्लेबाजी अच्छी होती, तो स्कोर और लंबा जाने की संभावना थी। पाकिस्तान के लिए डाइना बैग ने सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किये।

जवाब में खेलते हुए पाकिस्तानी टीम ने एक के बाद एक विकेट गंवाए, शुरूआती 3 विकेट महज 26 रन पर आउट हो गए थे, बाद में सिदरा अमिन ने मिर्चा संभालते हुए क्रीज पर टिककर बल्लेबाजी की। वह अर्धशतक के बाद शतक की तरफ बढ़ते हुए 81 के निजी स्कोर पर चलती बनीं। नतालिया परवेज ने 33 रनों की पारी खेली। अन्य किसी भी पाकिस्तानी प्लेयर का बल्ला नहीं चल पाया। इसके बाद पूरी पाकिस्तानी टीम 159 पर आउट हो गई और भारत ने बारहवीं बार पाक को हरा दिया, टीम इंडिया ने 88 रनों से मैच अपने नाम किया। दीप्ति और क्रांति ने भारत के लिए 3-3 विकेट अपने नाम किये।

'हिटमैन को हम एक साल भी नहीं दे पाये', रोहित शर्मा की कप्तानी छिनते ही बवाल! गंभीर-अगरकर पर उठे सवाल

भारतीय क्रिकेट में हाल ही में एक बड़ा और चौंकाने वाला फैसला लिया गया है। इस फैसले के तहत रोहित शर्मा को वनडे फॉर्मेट की कप्तानी से हटा दिया गया है। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए घोषित टीम में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को वनडे की कमान सौंपी गई है। इस अचानक बदलाव को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं की आलोचना हो रही है।

मोहम्मद कैफ का फूटा गुस्सा

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ उन आलोचकों में शामिल हो गए हैं जो मानते हैं कि रोहित शर्मा को 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक कप्तान बने रहने का मौका मिलना चाहिए था। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस फैसले पर सफाई देते हुए कहा था कि तीनों प्रारूपों के लिए तीन अलग कप्तान रखना काफी मुश्किल भरा काम है, इसलिए यह बदलाव रणनीतिक है।

कैफ ने की रोहित की जमकर तारीफ

मोहम्मद कैफ ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए रोहित के नेतृत्व का बचाव किया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा ने हिंदुस्तान को 16 साल दिए और हम उनको एक साल नहीं दे पाए बतौर कप्तान। 16 कउउ इवेंट्स में 15 मैच जीते हैं, एक मैच हारे, वो 2023 का डउक्र हउ फाइनल था। कैफ ने रोहित के हालिया प्रदर्शन और उनकी लीडरशिप क्वालिटी की भी तारीफ की।

शुभमन गिल को लेकर कही ये बात

कैफ ने याद दिलाया कि साल 2024 वर्ल्ड कप में भारत की जीत के बाद रोहित ने बड़प्पन दिखाते हुए टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। ताकि नए खिलाड़ियों को मौका मिले। कैफ का मानना है कि रोहित ने युवा खिलाड़ियों को बनाया, सिखाया, संभाला और दबाव में उन्हें गाइड किया। लेकिन इसके बावजूद उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया। कैफ ने सीधे तौर पर सवाल किया कि शुभमन गिल, युवा हैं, नए हैं, अच्छे कप्तान बन सकते हैं। पर हर चीज में जल्दबाजी करने की जरूरत क्या हैं?

चयनकताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे 2027 विश्व कप से पहले शुभमन गिल को एक लंबा कार्यकाल देना चाहते हैं, ताकि नेतृत्व में निरंतरता बनी रहे। यह एक सिस्टम आधारित फैसला है।

क्या सच में खराब है नीतीश कुमार की तबीयत? तेजस्वी यादव के शेयर किए इस वीडियो को देख हर कोई हैरान

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत इस वक्त पूरी तरह चुनावी मोड में है। विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कभी भी हो सकता है, लेकिन इससे पहले एक वीडियो ने राजनीतिक गलियारों में तूफान मचा दिया है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक वीडियो शेयर कर उनकी सेहत को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेजस्वी ने शेयर किया वीडियो, पूछा-क्या नीतीश जी मानसिक रूप से स्वस्थ हैं?

तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट (ट्विटर) पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक कार्यक्रम के दौरान कुछ अजीब हरकतें करते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में वे कभी हाथ जोड़ते हैं, कभी कुछ इशारे करते हुए नजर आते हैं। नीतीश कुमार वीडियो में एक बार नहीं बल्कि कई बार हाथ जोड़ते हुए दिख रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार के हेल्थ पर उठाया सवाल

तेजस्वी यादव ने लिखा, "एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस दयनीय स्थिति में देखकर आपको कैसा लगता है? क्या मुख्यमंत्री जी मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई देते हैं? क्या यह सब बीजेपी के इशारे पर किसी साजिश का हिस्सा है, जिसमें इन्हें कुछ खिलाकर ऐसी हालत में पहुंचाया गया है? बिहार की जनता सच्चाई जानना चाहती है।"

कौशल दीक्षांत समारोह का बताया जा रहा है वीडियो

तेजस्वी द्वारा शेयर किया गया यह वीडियो कौशल दीक्षांत समारोह का बताया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े थे, जबकि पटना में मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह मौजूद थे।

वीडियो के वायरल होने के बाद से सोशल मीडिया पर यह सवाल तेजी से फैल गया है कि क्या सच में नीतीश कुमार की तबीयत ठीक नहीं है, या फिर यह सिर्फ सियासी प्रोपेगैंडा का हिस्सा है?

तेजस्वी बोले-'नीतीश अब बिहार चलाने के लायक नहीं रहे'

वीडियो शेयर करने के बाद तेजस्वी यादव ने एक और बयान दिया। उन्होंने कहा, "नीतीश कुमार अब बिहार चलाने के योग्य नहीं रहे। उनकी सेहत ठीक नहीं है, और कुछ नेता सिर्फ उनके चेहरे का इस्तेमाल अपनी राजनीति चमकाने और तिजोरी भरने के लिए कर रहे हैं। बहुत जल्द सबकी पोल खुलेगी।"

तेजस्वी के इस बयान ने राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। विपक्ष जहां इसे "सीएम की अक्षमता का प्रमाण" बता रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे "ओछी राजनीति" कहकर खारिज कर रहा है।

सोशल मीडिया पर भी मची हलचल

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। एक यूजर ने लिखा, "यह वीडियो देखकर बिहार की राजनीति पर शर्म आती है। नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और मंच पर इस तरह की हरकतें करते दिखते हैं। क्या ऐसे व्यक्ति को दोबारा वोट देना चाहिए?"

एक अन्य यूजर ने व्यंग्य किया, "#BiharHealthcareCrisis ट्रेंड कर रहा है, लेकिन नीतीश कुमार के शासन में बिहार की हेल्थ सिस्टम का क्या हाल हुआ, यह किसी से छिपा नहीं। अब खुद मुख्यमंत्री की तबीयत पर सवाल उठ रहे हैं।" कुछ यूजर्स ने इस वीडियो को साजिश बताया और कहा कि इसे गलत एंगल से दिखाया गया है ताकि जनता में भ्रम फैले।

पटना मेट्रो लॉन्च से पहले उठा सियासी बवंडर

बताया जा रहा है कि सोमवार को नीतीश कुमार पटना मेट्रो की शुरूआत कर सकते हैं। ऐसे में यह वीडियो और उस पर उठे सवाल बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के लिए सिरदर्द बन गए हैं। मेट्रो लॉन्च से ठीक पहले सीएम की सेहत पर चर्चा ने माहौल को और पेचीदा बना दिया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है- क्या नीतीश कुमार की तबीयत वाकई ठीक नहीं है या यह सिर्फ चुनावी रणनीति का हिस्सा है? वीडियो की असली हकीकत सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तय है कि इस वायरल क्लिप ने बिहार की सियासत को एक नया मोड़ दे दिया है।

अवर अभियंता संत कुमार वर्मा ने विद्युत उपकेंद्र बरखेड़ा में 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री के स्थान पर मनाई सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

भारत में हर साल 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई जाती है। यह दिन राष्ट्र के दो महान नेताओं को सम्मान देने का प्रतीक है। इस बार बरखेड़ा विद्युत उपकेंद्र में एक विवादित घटना हुई।

(पीलीभीत) बरखेड़ा ।

अवर अभियंता संत कुमार वर्मा ने 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री की जयंती नहीं मनाई। इसके बजाय उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने का आयोजन किया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की फोटो के सामने पुष्पांजलि अर्पित की गई। लेकिन सरदार पटेल की जयंती भारत में प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को मनाई जाती है। इस प्रकार, 2 अक्टूबर को लाल बहादुर शास्त्री की जगह सरदार वल्लभभाई पटेल की फोटो लगाना अनुचित माना गया। इससे दो सवाल खड़े हो रहे हैं। पहलाः क्या अवर अभियंता को सही जानकारी नहीं थी कि 2 अक्टूबर को किसकी जयंती है यदि ऐसा है तो एक सरकारी कर्मचारियों के लिए यह घोर निंदनीय और दंडनीय है । दूसरा सवालः क्या उनके मन में लाल बहादुर शास्त्री के प्रति कोई व्यक्तिगत द्वेष था? इस विवाद ने विद्युत उपकेंद्र की छवि पर प्रश्नचिह्न लगा दिया।

स्थानीय लोगों ने इस घटना को देशभक्ति और परंपरा के खिलाफ बताया। अवर अभियंता और अन्य कर्मचारियों के इस कृत्य को अपमानजनक माना गया। देश के पूर्वजों और नेताओं के सम्मान को बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वे इस मामले को गंभीरता से लें। संबंधित अधिकारियों पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए,

ताकि भविष्य में ऐसे कृत्य न हो और परंपरा का सम्मान बना रहे।यह भी आशंका जताई जा रही है कि यह घटना जानबूझकर की गई हो। पुरस्कार समारोहों और स्मरण कार्यक्रमों में सही प्रोटोकॉल का पालन जरूरी होता है। सभी सरकारी कार्यालयों को देश के त्योहारों और जयंतियों की सही जानकारी होनी चाहिए। यह मामला मीडिया में भी चर्चा का विषय बना। कई सामाजिक संगठन भी इस पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों ने पूछा है कि क्या ऐसे अधिकारियों को पद पर बने रहना चाहिए? अधिकारियों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। विद्युत उपकेंद्र में कार्यरत अन्य कर्मचारियों की भी भूमिका पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यह घटना देश के इतिहास और परंपराओं के प्रति अवहेलना मानी जा रही है। सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के लिए नेताओं का सम्मान जरूरी है। इस मुद्दे पर उच्चस्तरीय अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी जानी चाहिए कार्यवाही में पारदर्शिता और निष्पक्षता होनी चाहिए। इस तरह की घटनाएं न केवल स्थानीय बल्कि देश भर में बुरा संदेश देती हैं। सार्वजनिक समारोहों में सही नेतृत्व की आवश्यकता होती है । पूर्वजों के सम्मान से ही राष्ट्र की पहचान बढ़ती है।

सरकारी कर्मचारियों को परंपरा और इतिहास की जानकारी दी जानी चाहिए। संत कुमार वर्मा पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है। कई लोग इस घटना को सांस्कृतिक असमंजस मान रहे हैं प्रशासन जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करके स्थिति को नियंत्रित करे। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए।

देश का प्रत्येक नागरिक और कर्मचारी देशभक्ति और सम्मान से परिपूर्ण होना चाहिए। नेताओं के सम्मान के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है।

उम्मीद है, सरकार जल्द इस मामले में कड़ा कदम उठाएगी।

शीतला माता धाम गाजीपुर कुंडा में मेले के शुभारंभ से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

पीलीभीत – बरखेड़ा क्षेत्र के गाजीपुर कुंडा गांव में 5 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक रामलीला मेला बड़े उत्साह के साथ चल रहा है। मेला माता शीतला देवी के नाम से प्रसिद्ध है और हर साल यहां विधिपूर्वक इसे मनाया जाता है। इस बार बीसलपुर के विधायक विवेक वर्मा ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया।

मेला हवन पूजन और कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ, जिसमें 251 माताएं, बहनें और कन्याएं शामिल हुईं। कलश यात्रा मां शीतला के स्थान से शुरू होकर गाजीपुर गांव से होकर नवाबगंज रोड, दोहा पुल तक पहुंची। श्रद्धालुओं ने गंगाजल लेकर मेले में पूजा-अर्चना की। मेला स्थल पर हजारों भक्तजन जुटे हुए थे और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था पूरी की।

मेले में तरह-तरह की दुकानें लगी हैं और बच्चों के लिए कई झूले व मनोरंजन की व्यवस्था है।

शाम के समय नाटक और रासलीला का आयोजन होता है, जिसे स्थानीय लोग बहुत पसंद करते हैं।

इस मेले का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत बड़ा है। स्थानीय कलाकार रासलीला एवं नाटकों के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं। मेला ग्रामीणों को आपस में जोड़ने का भी बड़ा अवसर होता है। भक्तजन धार्मिक आयोजन के साथ-साथ परिवार और दोस्तों के साथ आनंद भी लेते हैं। शीतला माता के प्रति भक्तिभाव से हर कोई यहां जुड़ा हुआ महसूस करता है। इस मेला की विशेषता इसकी धार्मिक विधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूमधाम है। मेला स्थल पर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। पुलिस और प्रशासन ने भक्तों की सुरक्षा एवं सुविधा का पूरा ध्यान रखा। स्थानीय लोगों ने भी मेलो की तैयारी और संचालन में हिस्सा लिया है। मेला क्षेत्र को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखे जाने की व्यवस्था है। मेला के दौरान स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है।

दुकानदारों के लिए मेला व्यापार का अच्छा अवसर होता है। बच्चों के मनोरंजन के लिए बड़े-बड़े झूले लगाए गए हैं। मेला में आने वाले सभी जन इसे अपने उत्सव के रूप में मनाते हैं।

मेला की सांस्कृतिक झलक रामलीला और धार्मिक कथाओं के रूप में देखी जा सकती है।

मेला स्थानीय परंपराओं और धार्मिक मूल्यों को संजोने का माध्यम है।

मेला आयोजित करने वाली समिति ने सभी कार्यों का बेहतरीन नियोजन किया है।

सभी श्रेणी के लोगों के लिए आयोजन में विशेष कार्यक्रम हैं। यह मेला पीढ़ी-दर-पीढ़ी परंपरा को जीवित रखने का जरिया है।

मेला आयोजन में महिलाओं और कन्याओं की भूमिका विशेष सम्मानित है। कलश यात्रा के माध्यम से धार्मिक आस्था प्रकट की जाती है। इस मेला की शुरूआत हवन और पूजा से होती है, जो इसे पवित्र बनाता है।

मेला अपने धार्मिक महत्व के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द को भी बढ़ावा देता है। मेला स्थल पर भक्तों की भीड़ आत्मिक शांति और आनंद का प्रतीक होती है।

स्थानीय प्रशासन और पुलिस की मदद से मेला पूरी तरह से सुरक्षित रहता है। मेला के दौरान आपसी भाईचारे और एकता की भावना मजबूत होती है।

शीतला माता का यह मेला लोगों को अपने सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों से जोड़ता है।

मेला आयोजन स्थल को रोशनी और सजावट से भव्य बनाया जाता है।

श्रमिक, व्यापारी और कलाकार मिलकर इस मेला को सफल बनाते हैं।

मेला में आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक भी स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनते हैं। इस मेला की संपूर्ण सफलता में सभी का योगदान महत्वपूर्ण होता है। मेला 15 अक्टूबर को समापन समारोह के साथ खत्म होगा। अंतिम दिन विशेष पूजा, आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यह आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध बनाता है।मेला पीलीभीत के धार्मिक त्योहारों में एक प्रमुख स्थान रखता है। यहां आने वाले हर व्यक्ति को धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से लाभ मिलता है।

चर्चित सखिया मेले का अब आया नया मोड जूना आखाडा के साधु संत धरने पर बैठे

(जीएनएस)।

पीलीभीत दियोरिया` कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी बेनीपुर के गांव सखिया में स्थित बाबा बृह्म देव के नाम से चर्चित होने वाले एक प्राचीन पेड़ पर लोगों की गहरी आस्था जुडी है, यहां पर लोगों का मानना था कि पीपल के पेड के चक्कर लगाने से बिमारियां दूर हो जाती है, पिछले तीन महीनों से यहां पर हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे, जिसके कारण यहां पर दुकानदारों ने दुकाने लगानी शुरू कर दी और अवैध तरीके से मेले का रुप दे दिया गया था, लेकिन प्रशासन ने चर्चित होने वाले मेले को जांच कर फर्जी होने पर गांव के कुछ लोगों पर कार्यबाही की थी,

बृहस्पतिवार को यहां पर जूना आखाडा के साधु संतो के द्वारा डेरा जमाया गया, जिसके बाद प्रसाशन ने कुछ बबाल न होने के उद्देश्य से शनिवार को एडीएम रितु पूनिया के निदेर्शानुसार सरकारी जमीन पर लगी दुकानों को हटवा दिया गया था, और सभी लोगों को यहां आने पर पूर्णतः रोक लगा दी थी, लेकिन संत समाज रविवार तक भी यहां डेरा जमाए बैठा है`

रविवार को यहां आया एक नया मोड,

रविवार को यहां गांव सखिया में स्थित बाबा बृह्म देव एक पीपल का बृक्ष चर्चित स्थान पर एक नया मोड ले लिया है, यहां पर सभी संत समाज का कहना है, महंत सत्यगिरी के अनुसार यह स्थान श्रद्धा और विश्वास का केन्द्र है यहां पर लोगों को धूप व दीपक जलाने के लिए न रोका जाए और उनकी आस्था से खिलबाड़ नहीं किया जाए, यहां पर गांव के एक ब्यक्ति द्वारा लगातार धन उगाही की जा रही थी, सभी संतों का कहना है, इस हुई धन उगाही को वापस कराया जाए और यहां पर आया हुआ पैसा जनता का पैसा है इसको यहीं बाबा बृह्म देव स्थान पर लगाया जाए और इसका जीर्णोद्धार कराया जाए, महंत ने चेतावनी दी जबतक दोषियों के खिलाफ जांच कर कार्यवाही नहीं की जाती है तबतक सभी साधु संत धरना स्थल नहीं छोडेंगे`

धरना स्थल पर बैठे साधु संत, महाराज सत्यगिरी, विरेंद्रपुरी, चंद्रमा गिरी, जितेंद्र गिरी, निर्मल गिरी, रामानंद गिरी, सेवागिरी, श्रीपाल गिरी, सुदेश्वर गिरी, महंत कृष्णानंद, काले बाबा, जगदीश पुरी, हेमंत गिरी, शंकर गिरी, कुछ वैष्णव संप्रदाय के संत धरना स्थल पर मौजूद रहे, प्रेमदास, राज दास, पीतम दास आदि संत लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं

केशव बस्ती में संघ शताब्दी वर्ष पर शस्त्र पूजन व पथ संचलन का भव्य आयोजन सम्पन्न

(जीएनएस)।

पीलीभीत के बीसलपुर में (केशव बस्ती)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने एवं विजयादशमी उत्सव के उपलक्ष्य में आज केशव बस्ती में शस्त्र पूजन व पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री उमा शंकर श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे, जबकि उद्बोधन का कार्य सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री वीरेंद्र मिश्र जी ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंशा सिंह, अधिकारीगण तथा बस्ती प्रमुख प्रियंक दुबे ने शस्त्र पूजन कर किया।

इस अवसर पर एकल गीत का सुंदर प्रस्तुतिकरण जितिन जी द्वारा किया गया और अमृत वचन श्रेष्ठ शुक्ला ने प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का समापन संघ प्रार्थना के साथ हुआ, जिसे प्रमोद जी ने किया।

अपने उद्बोधन में श्री वीरेंद्र मिश्र जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज में निरंतर हिंदू संगठन को सशक्त कर रहा है। उन्होंने पंच परिवर्तन बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के युग में हमें अपने कुटुंब और परिवारिक संस्कारों को सहेजने की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक सप्ताह या माह में परिवार के साथ सामूहिक भोजन व आरती जैसे कार्यक्रम अवश्य रखने चाहिए। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए कहा, ह्रपरिवर्तन की शुरूआत स्वयं से करनी होगी, जब हम सुधरेंगे तभी समाज सुधरेगा।'

गणवेश में उपस्थित प्रमुख स्वयंसेवकों में विधायक विवेक वर्मा, वीरेंद्र लोहिया, प्रमोद गुप्ता, अमित अग्रवाल, उर्वेश गुप्ता, श्रेष्ठ बृजेश मौर्य, शिवेंद्र शुक्ला, अशोक पांडे, रमेश जी, आलोक जी, मनोज सहित अनेक स्वयंसेवक शामिल रहे।

कार्यक्रम में जिला प्रचारक श्री अशोक जी, प्रांत सह व्यवस्था प्रमुख प्रवीण गोयल, खंड कार्यवाह अशोक दीक्षित, जिला व्यवस्था प्रमुख अंकुर गुप्ता, जिला सह व्यवस्था प्रमुख दीपक अग्रवाल, नगर प्रचार प्रमुख मुकेश, नगर सह प्रचार प्रमुख लखन, तथा गौ संरक्षण प्रमुख राजेश दुबे सहित बस्ती के अनेक प्रबुद्ध स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पथ संचलन के दौरान मार्ग में जगह-जगह स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर संघ साहित्य की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे अनेक लोगों ने रुचि लेकर खरीदा।

विश्व शिक्षक दिवस पर लखनऊ में भूख मिटाने का संकल्पः बृज की रसोई ने बाँटी खुशियाँ

मानवता की पाठशाला: शिक्षकों के सम्मान दिवस पर जरूरतमंदों संग साझा हुई थाली: विपिन शर्मा

विश्व शिक्षक दिवस पर करुणा की कक्षा – सैकड़ों वंचितों तक पहुँची थाली: पंकज राय

लखनऊ, 5 अक्टूबर 2025। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (पंजी.) द्वारा संचालित बृज की रसोई के अंतर्गत एक विशेष निःशुल्क भोजन वितरण सेवा कार्यक्रम का सफल आयोजन आशियाना, लखनऊ में किया गया।

संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने इस अवसर पर सबसे पहले सभी शिक्षकों को सादर प्रणाम करते हुए कहा इ्र शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं बाँटते, बल्कि करुणा और संवेदना का भी पाठ पढ़ाते हैं। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए हमने आज जरूरतमंदों संग भोजन साझा किया। भूख से बड़ी कोई बेबसी नहीं होती। यदि हमारे प्रयास से किसी असहाय की थाली भर सके और उसके चेहरे पर मुस्कान आ सके, तो यही हमारे जीवन की सबसे बड़ी सफलता है।

संस्था के पदाधिकारी संजय श्रीवास्तव ने बताया कि यह आयोजन प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा एवं मार्गदर्शन से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के अकींचन, निराश्रित, असहाय, मजदूर तथा निर्धन बच्चों एवं बुजुर्गों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया।

अखिलेश सिंह ने अवगत कराया कि शाम 3 बजे से प्रारम्भ हुए इस सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, स्थानीय नागरिक एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने मिलकर सामूहिक रूप से साईं मंदिर, सेक्टर-जे (आशियाना) से वितरण प्रारम्भ किया और विभिन्न क्षेत्रों तक पहुँचकर निःशुल्क भोजन वितरित किया।

आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि बृज की रसोई का ध्येय केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि भूख और असमानता के अंधकार को मिटाना है। संस्था प्रत्येक रविवार को इस प्रकार के निःशुल्क भोजन सेवा कार्यक्रम आयोजित करती है, जिससे समाज के वंचित वर्ग को राहत मिल सके।

दिनेश पाण्डेय ने कहा आज के विशेष अवसर पर परोसे गए भोजन में आलूझमटरझटमाटर की सब्जी, बासमती चावल एवं मिष्ठान में बूँदी शामिल थी।

मुकेश कनौजिया ने बताया आज का सेवा कार्य आशियाना स्थित साईं मंदिर सेक्टर-जे से प्रारम्भ होकर सेक्टर-एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पार्क, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के निकट झुग्गी-झोपड़ियाँ, निमार्णाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के अस्थायी निवास, नगर निगम जोन-8 की मलिन बस्तियाँ तथा रतनखंड पानी टंकी सहित अनेक क्षेत्रों में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में पंकज राय, आशीष श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, मुकेश कनौजिया, अखिलेश सिंह, दिनेश पाण्डेय, नवल सिंह और गोविन्द सिंह ठाकुर सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अंत में सभी उपस्थित लोगों ने इसे एक प्रेरणादायक एवं हृदयस्पर्शी अनुभव बताते हुए, ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।